दूसरा चरण (16 से 30 अप्रैल) 2021

पाठ-1 प्रार्थना

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिए गए शब्दों को पढ़ने और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਬੱਚੇ = बच्चे　　ਦੁੱਖ = दुःख　　ਆਗਿਆ = आज्ञा　　ਗੁਰੂ = गुरु

ਅੱਗੇ = आगे　　ਪਿੱਛੇ = पीछे　　ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ = खुशहाली　　ਕੀਰਤੀ = कीर्ति

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें:-

ਨਾਸਮਝ = नादान　　ਮਿੱਤਰ = सखा　　ਸਦਾ = हमेशा　　ਬੜਾਈ = कीर्ति

ਬਲਿਹਾਰੀ ਜਾਣਾ = बलि बलि जाएँ　　ਸ਼ੋਭਾ = शान　　ਚਹੁੰ ਪਾਸੇ = चहुँओर

3.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें:-

क- बच्चों ने भगवान से कौन-कौन से सम्बन्ध जोड़े हैं?

उत्तरः- बच्चों ने भगवान को अपना माता-पिता,भाई-बन्धु तथा सखा माना है।

ख- बच्चे किनकी आहें मिटाना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे दीन दुखियों की आहें मिटाना चाहते हैं।

ग- बच्चे कौन-कौन से अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे अपने भीतर अच्छे गुण विकसित करना चाहते हैं।

घ- बच्चे पढ़-लिखकर किस की शान बढ़ाना चाहते हैं?

उत्तर- बच्चे पढ़-लिखकर अपने देश की शान बढ़ाना चाहते हैं।

ङ- बच्चे देश के लिए कैसे भविष्य की कामना करते हैं?

उत्तर- बच्चे अपने देश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें:-

क- बच्चे दीन-दुःखियों की सहायता कैसे कर सकते हैं?

उत्तर- बच्चे दीन-दुःखियों से प्रेम करते हुए,उनके दुःखों,कष्टों को दूर करते हुए,उनका भला करते हुए एवं उनकी रक्षा करते हुए उनकी सहायता कर सकते हैं।

ख- 'देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर-'देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें' से कवि का भाव यह है कि हमें अपने देश के प्रति प्रेम की भावना रखनी चाहिए। यदि उसकी रक्षा के लिए हमें अपने प्राणों का बलिदान भी करना पड़े तो हमें कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए।

ग- 'होकर बड़े हम कीर्ति पायें' से बच्चों का क्या आशय है?

उत्तर- 'होकर बड़े हम कीर्ति पायें' से बच्चों का आशय यह है कि वे बड़े होकर अपने अच्छे कार्यों द्वारा इस संसार में यश प्राप्त करें, लोगों में उनका आदर-सम्मान बढ़े तथा सभी जगह उनका आदर हो।

5.निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को कविता से देखकर पूरा करें:-

क- तुम्हीं हो माता-पिता हमारे,
भाई-बन्धु सखा हमारे।
ख- देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें,
दीन-दुःखी को सदा बचायें।
ग- पढ़ें-लिखें हम खेलें खायें,
भारत देश की शान बढ़ायें।

ऊपर लिखित काव्य-पंक्तियों में **माता-पिता,भाई-बन्धु, देश-प्रेम,दीन-दुःखी,पढ़ें-लिखें शब्द युग्म (जोड़े)** के रूप में प्रयोग हुये हैं। इन शब्द-युग्मों को उदाहरण के अनुसार लिखें:-

माता-पिता = माता और पिता
भाई-बन्धु = भाई और बन्धु
देश-प्रेम = देश और प्रेम
दीन-दुःखी = दीन और दुःखी
पढ़ें-लिखें = पढ़ें और लिखें

6.बहुवचन बनायें:-

कदम = कदमों दुःखी = दुखियों घर = घरों भाई = भाइयों प्राण = प्राणों

7.समान तुक वाले शब्द ढूँढ़कर उपयुक्त स्थान पर लिखें:-

भगवान = नादान मानें = जानें चाहें = आहें
हरियाली = खुशहाली लड़ाई = बुराई जायें = पायें

8.'भलाई' में मूल शब्द 'भला' है। इसी प्रकार मूल शब्द अलग करें:-

दुःखी = दुःख लड़ाई = लड़ना बुराई = बुरा
हरियाली = हरा खुशहाली = खुशहाल आहें = आह

9.वाक्य बनाओ:-

प्रेम = हमें सब से प्रेम करना चाहिए।
आहें = हमें किसी की आहें मिटाने की कोशिश करनी चाहिए।
बुराई = हमें किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।
शान = बच्चे देश की शान होते हैं।
खुशहाली = हर घर में खुशहाली आए।

10.'ईश्वर' को भगवान भी कहते हैं। परमेश्वर, प्रभु परमपिता सब इसी के नाम हैं। नीचे लिखे शब्दों के लिए अन्य क्या-क्या नाम हो सकते हैं सोचकर लिखें:-

माता = जननी,माँ सखा = मित्र,दोस्त पिता = जनक,तात
दुःख = कष्ट,विपदा भाई = भ्राता,सहोदर गुरु = शिक्षक,ज्ञानदाता

11.सोचिए और लिखिए

क- बच्चे अपने देश की खुशहाली के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर-बच्चे देश का भविष्य हैं। वे ही देश के भावी कर्णधार हैं।अतः देश की उन्नति, प्रगति और विकास में इनका योगदान होना भी परम आवश्यक है।बच्चे देश की खुशहाली के लिए अनेक प्रयत्न कर सकते हैं और कुछ नहीं तो वे अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।वे अपने साथी बच्चों की पढ़ाई में सहायता कर सकते हैं, उनको किताबें कापियाँ भी दे सकते हैं,इससे उन बच्चों के चेहरों पर भी नयी रौनक आ जाएगी।वह भी अपना बचपन भली-भांति बिता सकते हैं। पढ़े-लिखे बच्चे ही देश को उन्नत तथा खुशहाल बना सकते हैं।

ख- यह एक प्रार्थना गीत है। इसी प्रकार का एक अन्य प्रार्थना गीत लिखिए और प्रार्थना सभा में सुनायें।

उत्तर- प्रार्थना गीत

तुम्ही हो माता, पिता तुम्हीं हो,
तुम्हीं हो बन्धु, सखा तुम्हीं हो।
तुम्हीं हो साथी, तुम्हीं सहारे,
कोई न अपना सिवा तुम्हारे।
तुम्हीं हो माता.....
जो खिल सकें न वो फूल हम हैं,
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं।
दया की दृष्टि सदा ही रखना,
तुम्हीं हो बन्धु, सखा तुम्हीं हो।
तुम्हीं हो माता.....

12.नये शब्द बनायें

संयुक्त व्यंजन		शब्द	नया शब्द
श् + व = श्व	=	ईश्वर	श्वास
च् + च = च्च	=	बच्चे	सच्चा
म् + ह = म्ह	=	तुम्हीं	कुम्हार
न् + ध = न्ध	=	बन्धु	धन्धा

ऊपर दिए शब्दों में खड़ी पाई हटाकर संयुक्त शब्द बनाए गए हैं। आपकी पाठ्य-पुस्तक में वर्णमाला की पुनरावृत्ति करवाई गई है। उसे दोबारा याद करो और नीचे खड़ी पाई वाले व्यंजन लिखो:-

ख ग घ च ज त थ ध न प

ब भ म ल व श ष स ह